University in News on 06 December 2021

HINDUSTAN PAGE 6

विभागों को बताना होगा कि 2020 के कितने मेडल बांटे

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में 2021 का दीक्षांत समारोह हो चुका है। 15 मेडल दे दिए और अब बाकी मेडल विभागों में दिए जाने हैं। मगर दूसरी ओर अभी तक 2020 के ही सारे मेडल नहीं बंटे हैं। इस बारे में अब विभागों से जानकारी मांगी गई है कि कहां कितने मेडल बांट दिए और कितने बाकी हैं।

बता दें कि दो दिन पहले मालिनी अवस्थी को उनका वर्ष 1987 का गोल्ड मेडल दिया गया जिसकी घोषणा पिछले वर्ष दीक्षांत समारोह में हुई थी। इसके बाद ही यह सवाल उठा कि जब उन्हें बीते वर्ष घोषित हुआ मेडल अब दिया गया तो बाकी मेडलों की क्या स्थिति होगी।

इस बाबत अब परीक्षा नियंत्रक कार्यालय ने सभी विभागों से यह जानकारी मांगी है कि कहां-कहां मेडल बंट चुके हैं। मेडल किस तारीख में बांटे गए यह जानकारी भी देनी है और अगर किसी विभाग ने अभी तक नहीं दिए हैं तो इसका क्या कारण है। साथ ही यह भी बताएं कि कब तक बांट देंगे।

दरअसल 2020 के मेडल का विभागवार वितरण दीक्षांत के बाद शुरू तो किया गया था लेकिन कोविड के कारण यह प्रक्रिया बीच में ही रुक गई। अब स्थिति यह है कि विश्वविद्यालय जुलाई से लगातार खुल रहा है लेकिन मेडल वितरण की प्रक्रिया कहीं भी शुरू नहीं की गई है। कई छात्र-छात्राएं अपने मेडल के इंतजार में हैं। इसीलिए विभाग से सवाल पूछा गया है।

कॉफी विद वीसी में छात्रों से होगी बात

लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों को अब कुलपति तक अपनी बात पहुंचाने के लिए न तो इंतजार करना पड़ेगा, न किसी माध्यम पर निर्भर रहना होगा। अपनी बात सीधे रखने का मौका खुद कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय देंगे और इस पहल का नाम है 'कॉफी विद द वाइस चांसलर: लेट्स वॉक द टॉक'।

डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन के प्रस्ताव पर मोहर लगाते हुए कुलपति ने छात्रों के साथ संवाद की यह शृंखला शुरू करने की मंजूरी दे दी है। इसकी शुरुआत इसी हफ्ते से हो जाएगी। सोमवार को इस विषय पर चर्चा करके दिन तय किए जाएंगे। हफ्ते में दो दिन यह संवाद कार्यक्रम डीएसडब्ल्यू ऑफिस या फिर प्रशासनिक भवन के कमेटी रूम में होगा। इसका उद्देश्य है कि कुलपति खुद छात्रों से बात करें और परिसर में उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व अन्य सुविधाएं मुहैय्या कराने जैसे मुद्दों पर उनसे राय लें। संवाद कार्यक्रम में कुलपति विभिन्न विभागों और संस्थानों के छात्र-छात्राओं के साथ मुलाकात करेंगे।

कॉफी विद वाइस चांसलर में छात्रों से होगी खुलकर बात

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र अब कुलपति के समक्ष अपने विचार, मुद्दे व सोच को बेबाकी से रख सकेंगे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय एक नई व सृजनात्मक पहल 'कॉफी विद वाइस चांसलर : लेट्स वॉक द टॉक' शुरू करने जा रहे हैं। इसके अंतर्गत वे कॉफी पर छात्रों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करेंगे। यह परस्पर संवाद डीन स्टूडेंट वेलफेयर के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। इस अनूठी पहल से उम्मीद है कि छात्र और विवि प्रशासन के बीच रिश्ते मजबूत होंगे। अक्सर संवाद की कमी को लेकर शिकायतें छात्र की तरफ से रहती हैं। कुलपति के इस नई पहल से वह शिकायत काफी हद तक दूर होगी। डीएसडब्लू प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि यह परस्पर संवाद शृंखला विश्वविद्यालय परिसर के जीवन की एक नियमित विशेषता होगी। उन्होंने बताया कि यह शृंखला पूरी तरह से कुलपति के नई छात्र पीढ़ी को समझने के निरंतर प्रयासों के अनुरूप है। इससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से संबंधित नीतिगत निर्णय लेने और छात्रों की अपेक्षाओं व विचारों को समझने में सहायक होगी। कॉफी पर चर्चा के अंतर्गत कुलपति विभिन्न विभागों व संस्थानों के चार से छह छात्र प्रतिनिधियों से मिलेंगे। यह संवाद प्रक्रिया सप्ताह में दो बार होगी।

लविवि प्रशासन और छात्रों के बीच रिश्ते मजबूत करने की पहल

डीन स्टूडेंट वेलफेयर के सहयोग से हफ्ते में दो बार होगा संवाद

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि छात्र किसी भी शैक्षिक व्यवस्था के सबसे अभिन्न अंग होते हैं। प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि यह परस्पर संवाद कार्यक्रम छात्रों की अपेक्षाओं, आकांक्षाओं और योगदान के बारे में शीर्ष प्रशासन के साथ स्वतंत्र रूप से चर्चा करने के लिए अवसर प्रदान करेगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

बीटेक छात्रों को मिला ब्रांच बदलने का मौका

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के बीटेक छात्रों को सुनहरा अवसर हाथ लगा है। लविवि प्रथम वर्ष उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को ब्रांच बदलने का अवसर देगा। तृतीय सेमेस्टर में छात्र अपनी ब्रांच बदल सकेंगे। जिस ब्रांच में सीट उपलब्ध होगी उसमें बदलने का अवसर मिलेगा। वहीं, प्रक्रिया मेरिट के आधार पर होगी। इस संबंध में इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष ने वेबसाइट पर नोटिस जारी कर दी है। छह दिसंबर को ही ब्रांच बदलने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

पिछले कुछ वक्त से लविवि ने ब्रांच बदलने की सुविधा बंद कर दी थी, जिसको लेकर छात्र कई बार मांग कर चुके थे। इसको लेकर विवाद भी काफी हुआ। अब छात्र अपनी ब्रांच बदल सकेंगे। संकायाध्यक्ष प्रो. वीपी गुप्ता ने इसको लेकर नोटिस जारी कर दी है। जिन छात्रों ने प्रथम वर्ष उत्तीर्ण कर ली हो और प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर में किसी भी विषय में बैक न आई हो वे ही छात्र ब्रांच बदलने के लिए पात्र होंगे। यही नहीं आवेदन करने वाले छात्रों की किसी भी प्रकार की फीस बकाया नहीं होनी चाहिए और तीसरे सेमेस्टर की फीस रसीद भी प्रस्तुत करनी होगी। छात्रों को संकाय में छह दिसंबर को दोपहर तीन बजे तक आवेदन करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद संकाय की टीम की बैठक होगी। बैठक में आवेदन करने वाले सभी छात्रों को उपस्थित होकर अपना पक्ष रखना होगा। उनको ब्रांच बदलने के नियम-निर्देश बताए जाएंगे। बैठक के बाद ब्रांच बदलने वाले छात्रों की सूची को अंतिम रूप देकर सार्वजनिक कर दी जाएगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय : आवेदन के साथ ही फैसला भी आज

मेरिट के आधार पर मिलेगा मौका

ब्रांच बदलने का अवसर मेरिट के आधार पर मिलेगा। वहीं, जिस ब्रांच में सीटें रिक्त होंगी उनमें ही बदलने का अवसर दिया जाएगा। सिविल इंजीनियरिंग ब्रांच में एक सीट रिक्त है, जबकि कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में एक भी सीट रिक्त नहीं है। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में तीन व ईडब्लूएस में चार सीटें रिक्त हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग में चार सीटें और मेकेनिकल इंजीनियरिंग में छह व ईडब्लूएस कोटे में एक सीट रिक्त है।

एक साल बाद परीक्षा विभाग ने मांगा मेडल का ब्योरा

लखनऊ। लखनऊ विवि के परीक्षा विभाग ने दीक्षांत 2020 के अवितरित मेडल का ब्योरा मांगा है। विभाग ने यह कदम लोक गायिका मालिनी अवस्थी के घर गोल्ड मेडल भेजने के बाद उठाया है। मालिनी को यह मेडल 34 साल बाद प्राप्त हुआ। गत वर्ष लविवि का शताब्दी समारोह मनाया गया था। दीक्षांत में प्रमुख मेडल मंच से बाकी मेडल विभाग स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में दिए गए। कई ऐसे विभाग थे, जिन्होंने मेधावियों को मेडल वितरित नहीं किए हैं। अब एक साल बाद परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेनाने सभी विभागों को पत्र जारी कर इसका ब्योरा मांगा है। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 4

'कॉफी विद वीसी' में कुलपति के साथ चर्चा करेंगे विद्यार्थी

■ एनबीटी, लखनऊ: 'कॉफी विद वीसी' थीम के तहत लखनऊ यूनिवर्सिटी के विद्यार्थी कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के साथ कॉफी की चुस्कियां लेते हुए अकादमिक और अन्य मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इसके लिए हर हफ्ते विवि के दो विभाग से चार से छह विद्यार्थियों का पैनल बनाया जाएगा। यह जानकारी रविवार को डीएसडब्ल्यू प्रो. पूनम टंडन ने दी। उन्होंने बताया कि इसी हफ्ते से इसका आगाज हो जाएगा।

हफ्ते में दो विभाग के चार से छह विद्यार्थियों का बनेगा पैनल

पूनम टंडन के मुताबिक, यह इंटरेक्टिव टॉक छात्रों को कुलपति के साथ उनकी अपेक्षाओं, आकांक्षाओं और योगदान के बारे में शीर्ष प्रशासन के साथ स्वतंत्र रूप से चर्चा करने के लिए अवसर प्रदान करेगा। इसमें शिक्षक और प्रशासनिक जिम्मेदार भी शरीक होंगे। उन्होंने बताया कि यह शृंखला गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जुड़े नीतिगत फैसले लेने में विद्यार्थियों के विचारों को एकीकृत करेगी। डीएसडब्ल्यू कार्यालय विभाग, विद्यार्थी और कुलपति के बीच सामंजस्य बैठाने में सेतु का काम करेगा। कुलपति आलोक कुमार राय के मुताबिक, 'कॉफी विद वीसी' विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण कैंपस जीवन प्रदान करने में लगातार मार्गदर्शन करेगा। कस्टमर केयर रिलेशनशिप के क्षेत्र में जो मेरा अंतरराष्ट्रीय अनुभव है, उससे यकीनन विद्यार्थियों को फायदा मिलेगा।

एलयू विद्यार्थियों ने परीक्षा फॉर्म भरने का एक और मौका मांगा

लखनऊ विश्वविद्यालय और इससे सम्बद्ध कॉलेजों में लॉ और मैनेजमेंट के प्रथम सेमेस्टर को छोड़कर अन्य विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं 15 दिसम्बर से शुरू होनी हैं। वहीं अभी कई कॉलेजों में ऐसे सैकड़ों छात्र हैं जो परीक्षा फॉर्म ही नहीं भर पाए हैं। कुछ तकनीकी दिक्कतों के चलते तो कुछ अन्य कारणों से फॉर्म भरने से चूक गए। इसी मुद्दे पर एलयू और कॉलेजों के छात्र-छात्राओं से व्हॉट्सएप संवाद किया गया जिसमें सभी छात्र-छात्राओं ने यह मांग उठाई है कि उन्हें परीक्षा फॉर्म भरने का कम से कम एक मौका तो जरूर दिया जाए।

15 दिसंबर से विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं होनी हैं लखनऊ विश्वविद्यालय में

प्रशासन का पक्ष

कई छात्र-छात्राओं ने इस बात की शिकायत की है कि वे फॉर्म नहीं भर पाए हैं। सोमवार तक सभी कॉलेजों का डाटा हमारे पास आ जाएगा। उसके बाद इस विषय पर विचार जरूर किया जाएगा। छात्रों का नुकसान नहीं होगा। डॉ. एएम सक्सेना, परीक्षा नियंत्रक, एलयू

एलयू को नैक ए ग्रेड की उम्मीद बढ़ी

तैयारी

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के 100 वर्षों से ज्यादा के इतिहास में एक और उपलब्धि जुड़ने की उम्मीदें लगातार बढ़ रही हैं। हालांकि इस पर कुछ कहना जल्दबाजी होगी लेकिन जिस तरह से एलयू प्रशासन तैयारियों में जुटा हुआ है, उसे देखते हुए अगर इस बार नैक का 'ए' ग्रेड एलयू की झोली में आ जाए तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

डाटा अपलोड की स्थिति के बारे में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय का कहना है कि लगभग 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। थोड़ा समय इसलिए लग रहा है कि ऑनलाइन डाटा सबमिट करने के साथ-साथ उसके सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट भी सबमिट किए जाने हैं। मगर कोशिश यही है कि अगले तीन-चार दिनों में यह काम पूरा हो जाए और लखनऊ विश्वविद्यालय नैक में अपनी दावेदारी प्रस्तुत कर दे। हालांकि इस बारे में खुलकर अभी कुलपति भी कुछ नहीं कह रहे हैं लेकिन परिसर में जिस तरह की चर्चाएं, हैं उससे इतना जरूर कहा जा सकता है कि एक शताब्दी का सफर तय कर चुके, राजनीति से हमेशा प्रभावित रहे इस विश्वविद्यालय को अगर 'ए' ग्रेड मिलता है तो यह बड़ी उपलब्धि होगी।

जल्द खोले जाएंगे नियुक्तियों के लिफाफे

हाल ही में लखनऊ विश्वविद्यालय में खाली पड़े 200 से ज्यादा शिक्षक पदों के लिए चयन समिति आयोजित की गई हैं। चूंकि नैक मूल्यांकन में विश्वविद्यालय का स्टूडेंट-टीचर अनुपात भी बहुत मायने रखता है इसलिए कयास लगाए जा रहे हैं कि जल्द ही नियुक्तियों के लिफाफे खोले जाएंगे और नई भर्तियों का डाटा भी जोड़कर नैक आवेदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

JAGRAN CITY PAGE I

बीटेक तीसरे सेमेस्टर के छात्रों को मिला ब्रांच बदलने का मौका

विद्यार्थी आज दोपहर तीन बजे तक कर सकते हैं आवेदन

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने 2019 के बाद अब अपने यहां बीटेक तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों को ब्रांच बदलने का मौका दिया है। छह दिसंबर को दोपहर तीन बजे तक छात्र आवेदन कर सकते हैं। चूंकि जनवरी के प्रथम सप्ताह से तीसरे, पांचवें और सातवें सेमेस्टर की परीक्षाएं प्रस्तावित हैं। ऐसे में विश्वविद्यालय छात्रों से फार्म में अंडर टेकिंग भी ले रहा है कि वह तृतीय सेमेस्टर के परीक्षा कार्यक्रम को फालो करेंगे और परीक्षा की प्रक्रिया में परेशानी नहीं बनेंगे।

लवि के नवीन परिसर में इंजीनियरिंग संकाय संचालित है, जिसमें बीटेक, एमसीए आदि कोर्स संचालित हैं। बीटेक प्रथम वर्ष के वे छात्र-छात्राएं जिनकी पहले और दूसरे किसी भी सेमेस्टर में बैक न आया हो, उन्हें तृतीय सेमेस्टर में प्रथम वर्ष के अंकों की मेरिट के आधार पर ब्रांच बदलने का मौका दिया गया है। तय समय के बाद इंजीनियरिंग संकाय में मेरिट के अनुसार छात्र की ब्रांच बदल दी जाएगी। इस दौरान छात्र-छात्रा को वहां पर मौजूद रहना अनिवार्य होगा। इस संबंध में इंजीनियरिंग संकाय के कोआर्डिनेटर एवं प्रोफेसर इंचार्ज प्रो. आरएस गुप्ता की ओर से वेबसाइट पर भी नोटिस जारी की है।

तृतीय सेमेस्टर में ब्रांच बदलने के लिए सीटों की स्थिति: सिविल इंजीनियरिंग-1, इंलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग 3, ईडब्लूएस कोटा-4, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग-4, मैकेनिकल इंजीनियरिंग-6, ईडब्लूएस कोटा-1

देर से जारी हुए थे नतीजे: वर्ष 2020 में कोविड की वजह से छात्रों को ब्रांच बदलने का मौका नहीं दिया गया था। उसके बाद बीते सितंबर में बीटेक द्वितीय सेमेस्टर के नतीजे जारी हुए। इसमें भी 50 फीसद ऐसे छात्र रहे, जिन्होंने दूसरे सेमेस्टर की फीस ही नहीं जमा की, जिसकी वजह से ब्रांच बदलने की प्रक्रिया नहीं शुरू हुई। बीते दिनों कुछ छात्रों ने इसका विरोध किया तो इंजीनियरिंग फैकल्टी की वजह से इसे शुरू करने का प्रस्ताव अक्टूबर में कुलसचिव के पास भेजा गया था, लेकिन उस पर दो दिन पहले निर्णय लिया गया। ऐसे में यदि छात्र ब्रांच बदलते हैं तो उन्हें बदली ब्रांच के अनुसार ही जनवरी के प्रथम सप्ताह में प्रस्तावित तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाओं में शामिल होना पड़ेगा।

विभाग बताएं, पिछले साल के पदक बांटे या नहीं

लखनऊ विश्वविद्यालय को शताब्दी समारोह के दौरान दीक्षा समारोह मनाए हुए एक साल से ज्यादा बीत गया, लेकिन अब तक कई विभाग ऐसे हैं, जिन्होंने समारोह में चयनित मेडल का वितरण नहीं किया है। दो दिन पहले प्रसिद्ध लोक गायिका मालिनी अवस्थी को पिछले साल दीक्षा समारोह का गोल्ड मेडल अब घर भेजने की जानकारी मिली तो परीक्षा नियंत्रक ने सभी विभागों से इसका ब्योरा तलब कर लिया। विभागों को पत्र भेजकर पूछा है कि वर्ष 2020 के कितने मेडलों का अभी तक वितरण नहीं हो सका है। यदि मेधावियों को मेडल दे दिया गया तो उसका ब्योरा दें। इसके लिए दो दिन का समय दिया गया था। दरअसल, लखनऊ विश्वविद्यालय ने 26 नवंबर 2020 को अपने सौ साल पूरे किए थे। शताब्दी वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। इसी में दीक्षा समारोह भी शामिल था। कोविड-19 के प्रोटोकाल को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने कुछ मेधावियों को मंच से मेडल वितरित किए थे। बाकी मेडल संकाय एवं विभाग स्तर पर वितरण के लिए भेज दिए थे। उसके बाद मार्च-अप्रैल से कोविड की वजह वितरण प्रक्रिया पूरी तरह से रोक दी गई।

लवि ने की कॉफी विद वीसी की पहल

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने छात्रों से शैक्षिक चर्चा के लिए 'कॉफी विद वीसी : लेट्स वाक द टाक' की पहल की है। इसमें कुलपति सप्ताह में दो बार अलग-अलग विभागों के चार से छह छात्र प्रतिनिधियों से रूबरू होंगे। उनसे विश्वविद्यालय के शैक्षिक स्तर को बढ़ाने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सहित कई मुद्दों पर उनके विचार लेंगे। यह कार्यक्रम अधिष्ठाता छात्र कल्याण (डीएसडब्लू) प्रो. पूनम टंडन के नेतृत्व में होगा। इसकी शुरुआत इसी सप्ताह से होगी। कार्यक्रम का स्थान अभी तय नहीं हुआ है। कुलपति ने कहा कि किसी भी शैक्षिक व्यवस्था में छात्रों का अहम रोल होता है। छात्रों से चर्चा में नए आइडिया आएंगे, जो विश्वविद्यालय को शैक्षिक स्तर पर आगे ले जाने में मदद करेंगे। प्रो. पूनम टंडन का कहना है कि यह इंटरेक्टिव टाक सत्र छात्रों को कुलपति के साथ एक कप कॉफी पर उनकी अपेक्षाओं, आकांक्षाओं और योगदान के बारे में स्वतंत्र रूप से चर्चा करने के लिए अवसर प्रदान करेगा।

i-NEXT PAGE IV & 2

एलयू छात्र पिएंगे कॉफी विद वीसी

स्टूडेंट्स के साथ सीधे संवाद करेंगे, वीसी प्रो. आलोक कुमार राय

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (5 Dec): लखनऊ यूनिवर्सिटी के छात्रों को वीसी तक अपनी बात पहुंचाने के लिए न तो वेट करना पड़ेगा न किसी माध्यम पर निर्भर रहना होगा. अपनी बात सीधे रखने का मौका खुद वीसी प्रो. आलोक कुमार राय उन्हें देंगे और इस पहल का नाम रखा गया है कॉफी विद द वाइस चांसलर लेट्स वॉक द टॉक. डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन के प्रस्ताव पर मोहर लगाते हुए वीसी ने स्टूडेंट्स के साथ संवाद की यह श्रृंखला शुरू करने की मंजूरी दे दी है. इसकी शुरुआत इसी हफ्ते से होगी. सोमवार को इस विषय पर चर्चा करके दिन तय किए जाएंगे. हफ्ते में दो दिन यह संवाद कार्यक्रम डीएसडब्ल्यू ऑफिस या प्रशासनिक भवन के कमेटी रूम में रखा जाएगा. उद्देश्य है कि वीसी खुद छात्रों से बात करें और परिसर में उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व अन्य सुविधाएं मुहैय्या कराने जैसे मुद्दों पर उनसे राय लें. कार्यक्रम में वीसी विभिन्न विभागों और संस्थानों के स्टूडेंट्स से मुलाकात करेंगे. एक बार में 4 से 6 स्टूडेंट्स का प्रतिनिधि मंडल उनसे मिलेगा जो अपने विभाग के अन्य छात्रों की बात भी वीसी तक पहुंचाएगा.

विभाग बताएंगे दीक्षांत में कितने मेडल बांटे

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (5 Dec):लखनऊ यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह हो चुका है. 15 मेडल दिए जा चुके हैं और अब बाकी मेडल विभागों में दिए जाने हैं. मगर अभी तक 2020 के ही सारे मेडल नहीं बंटे गए हैं. इस बारे में अब विभागों से जानकारी मांगी गई है कि कहां कितने मेडल बांटे गए हैं और कितने बाकी हैं. बता दें कि दो दिन पहले मालिनी अवस्थी को उनका वर्ष 1987 का गोल्ड मेडल दिया गया. जिसकी घोषणा पिछले वर्ष दीक्षांत समारोह में हुई थी. इसके बाद ही यह सवाल उठा कि जब उन्हें बीते वर्ष घोषित हुआ मेडल अब दिया गया तो बाकी की क्या स्थिति होगी.

किस डेट में दिए ये भी बताएं

परीक्षा नियंत्रक कार्यालय ने सभी विभागों से यह जानकारी मांगी है कि कहां-कहां मेडल बंट चुके हैं. मेडल किस तारीख में बांटे गए यह जानकारी भी देनी है और अगर किसी विभाग ने अभी तक नहीं दिए हैं तो इसका क्या कारण है. साथ ही यह भी बताएं कि कब तक बांट देंगे.

THE PIONEER PAGE 4

Coffee with LU VC a new initiative

Lucknow (PNS): 'Coffee with the Vice-Chancellor: Let's Walk the Talk' is an initiative by Lucknow University VC Prof AK Rai. Proposed by DSW Poonam Tandon, the interactive series of discussions with the students is all about caring, sharing and bonding outreach concept which will soon be a regular feature of the university campus life.

"This series is completely in tune with the vice-chancellor's constant efforts to understand the new student generation and integrate their thoughts and ideas in framing policy decisions pertaining to quality education. Prof Rai will meet student representatives consisting twice a week, taking turns with various departments and institutes of the university," Tandon said.

The proceedings will be conducted under the aegis of the DSW office. "Students are the most integral element in any educational set up. What they think, perceive and desire out of the alma mater will steadily guide us in providing quality campus life to them. The VC not just holds an international recognition in the area of customer care relationship, but he believes in translating his expertise into action with concrete outcomes," she said.

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

लविवि में कॉफी विद द वीसी में छात्रों से वार्ता करेंगे कुलपति

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय अब विद्यार्थियों के साथ सीधे वार्ता करेंगे। इसके लिए सप्ताह में दो बार 'कॉफी विद द वाइस चांसलर : लेट्स वॉक द टॉक' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने दी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत प्रो. आलोक कुमार राय विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों और संस्थानों के साथ सप्ताह में दो बार चार से छह छात्र प्रतिनिधियों से मिलेंगे तथा विद्यार्थियों के कुलपति से अपनी बात सीधे रखने का मौका मिलेगा। डीन वेलस्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन के प्रस्ताव पर मोहर लगाते हुए कुलपति ने विद्यार्थियों के साथ संवाद की यह श्रंखला शुरू करने की मंजूरी प्रदान कर दी है।

HINDUSTAN TIMES PAGE 3

Lucknow University plans to bond with students over 'coffee with VC'

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: The Lucknow University (LU) administration has launched a new initiative named 'Coffee with the Vice Chancellor: Let's Walk the Talk'.

The initiative is aimed at strengthening communication between students and the vice chancellor, LU officials said.

"It is going to be an interactive series of discussions with the students and is about caring, sharing and bonding. The outreach concept will soon be a regular feature of the campus life," said LU's dean student welfare Prof Poonam Tandon.

"The vice chancellor will meet student representatives from various departments and institutes of LU twice a week. The proceedings will be conducted under the aegis of the DSW office," Tandon said.

"These interactive sessions will provide a platform for students to discuss their expectations, aspirations and contributions over a cup of coffee with the vice chancellor. We hope that during the sessions students will express their thoughts and the interaction will be symbiotic to both students, educators and administrators of the university," Tandon said.

Vice chancellor Alok Kumar said, "The students ultimately are the most integral element in any academic set up. What they think, perceive and desire about and from their alma mater will help us improve the quality of campus life."

PIONEER PAGE 3

कॉफी विद द वाइस चांसलर: लेट्स वॉक द टॉक के तहत छात्रों से होगी चर्चा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों की विवि से अपेक्षाएं और करियर सहित योगदान के बारे में जानकारी के लिए कॉफी विद द वाइस चांसलर: लेट्स वॉक द टॉक जैसे कार्यक्रम आयोजित करने जा रहा है। यह कार्यक्रम कुलपति की पहल पर सप्ताह में दो बार आयोजित किया जाएगा। जिसमे कुलपति की तरफ से 2 से 4 छात्र प्रतिनिधियों से मिलेंगे। पूरी कार्यवाही डीएसडब्ल्यू कार्यालय के तत्वावधान में आयोजित की जाएगी। विवि के प्रवक्ता प्रो दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक यह कार्यक्रम लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय की एक नई और तत्पर पहल है। डीन स्टूडेंट वेलफेयर द्वारा प्रस्तावित, छात्रों के साथ चर्चा की इंटरैक्टिव श्रृंखला देखभाल, साझा करने और आउटरीच अवधारणा के बारे में है। यह श्रृंखला पूरी तरह से कुलपति के नई छात्र पीढ़ी को समझने के निरंतर प्रयासों के अनुरूप है और इस तरह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से संबंधित नीतिगत निर्णय लेने में छात्रों के धरनाओं और विचारों को एकीकृत करती है। उन्होंने बताया कि प्रो आलोक कुमार राय विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों और संस्थानों के साथ सप्ताह में दो बार 4 से 6 छात्र प्रतिनिधियों से मिलेंगे। डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो पूनम टंडनए डीन स्टूडेंट वेलफेयर ने बताया कि यह इंटरेक्टिव टॉक सत्र छात्रों को कुलपति के साथ एक कप कॉफी पर उनकी अपेक्षाओं, आकांक्षाओं और योगदान के बारे में शीर्ष प्रशासन के साथ स्वतंत्र रूप से चर्चा करने के लिए अवसर प्रदान करेगा।

TOI PAGE 3

LU VC to start coffee meets with students

Times News Network

Lucknow: Lucknow University students can now discuss their ideas, innovation, suggestions and problems with vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai over a cuppa twice a week. Titled: 'Coffee with the Vice-Chancellor: Let's Walk the Talk', the interactive session will begin from this week

"VC will interact with 4 to 6 students twice a week. The discussion during the meeting can be on any issue or topic. The names of the four students will be sent by respective department heads turn wise," said dean student welfare Prof Poonam Tandon. She said this interactive talk session will provide students an opportunity to discuss their expectations and aspirations freely with the VC.

AMRIT VICHAR PAGE 5

काफी के साथ छात्र कर सकेंगे कुलपति से वार्ता

अमृत विचार लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों को अब कुलपति से अपनी समस्याएं बताने में आसानी होगी। अब हर सप्ताह छात्र कुलपति से प्रोफेसर आलोक राय से दो बार वार्ता कर सकेंगे। इस दौरान छात्रों के साथ कुलपति कॉपी भी पियेंगे। विश्वविद्यालय में छात्र अपनी बात सीधे कुलपति के सामने रख सके इसके लिए 'कॉफी विद द वाइस चांसलर की पहल शुरू होने जा रही है। डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन के प्रस्ताव पर मोहर लगाते हुए कुलपति ने छात्रों के साथ संवाद की यह श्रृंखला शुरू करने की मंजूरी दे दी है। इसकी शुरुआत इसी हफ्ते से हो जाएगी। सोमवार को इस विषय पर चर्चा करके दिन तय किए जाएंगे। हफ्ते में दो दिन यह संवाद कार्यक्रम डीएसडब्ल्यू ऑफिस या फिर प्रशासनिक भवन के कमेटी रूम में होगा। इसका उद्देश्य है कि कुलपति खुद छात्रों से बात करें और परिसर में उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व अन्य सुविधाएं मुहैय्या कराने जैसे मुद्दों पर उनसे राय लें।

लविवि

- 'कॉफी विद वाइस चांसलर' से छात्रों को मिलेगी राहत